

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर केम्प - भीषाल

प्रकरण क्रमांक रिक्त - 668/PBR/2011

देवी सिंह आठ पेशराज लोधी
निवासी-गाम-किनगी
तहसील बरेली जिला रायसेन.

आबेदक

--- बिस्व ---

- मण्डल शासन

अनाबेदक

धुनः बिलोकन अन्तर्गत धारा-51 मण्डल भू राठ संहिता 1959.

महोदय,

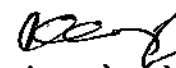
आबेदक द्वारा अपील प्रक्रिया 2786/11/02 में पारित आदेश दिनांक 31/01/2011 से दुःखित एवं असंतुष्ट होकर यह धुनः बिलोकन निम्नलिखित - तथ्यों एवं विधिक आधारों पर प्रस्तुत है :-

(Handwritten signature)

चाकर प्रेषित आदि
दि. 2-5-2011 को
(Signature)
मल्लिक ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

954
2-5-11

(Handwritten initials)

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
29-6-2016	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। इस न्यायालय के आदेश दिनांक 31-1-2011 का अवलोकन किया गया। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 के अन्तर्गत यह पुनर्विलोकन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। पुनर्विलोकन हेतु निम्नलिखित आधारों का उल्लेख किया गया है :-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1 किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो सम्यक् तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी, या 2 मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती, या 3 कोई अन्य पर्याप्त कारण <p>2/ आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्कों में ऐसी कोई साक्ष्य या बात नहीं बताई गई है, जो आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं कर सकते थे। उनके द्वारा अभिलेख से परिलक्षित त्रुटि भी नहीं बतलाई गई है। केवल इस न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्षों में त्रुटि बतलाने का प्रयास किया गया है, जो पुनर्विलोकन का आधार नहीं हो सकता है। अतः यह पुनर्विलोकन प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है।</p>	<p style="text-align: center;">  (मनोज गोयल) अध्यक्ष </p>

